2014

HINDI

(Major)

Paper : 1.1

(Hindi Sahitya Ka Itihas : Adikal Aur Bhaktikal)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) हिन्दी साहित्य के आदिकाल को 'सिद्ध-सामन्त युग' किसने कहा है?

(ख) 'बौद्ध गान और दोहा' के सम्पादक कौन हैं?

(ग) साहित्यिक अपभ्रंश को पुरानी हिन्दी किसने माना है?

(घ) विद्यापति के गुरु कौन थे?

(ङ) सरहपा आदिकालीन किस शाखा के कवि हैं?

(च) श्रीसम्प्रदाय किस सगुण भक्ति-शाखा के अन्तर्गत है?

(छ) सूरदास-रचित मूल ग्रन्थों की संख्या कितनी है?

(ज) कबीरदास का देहावसान कहाँ हुआ था? मगहर - 1518

(झ) 'चांदायन' के रचयिता कौन हैं? - मुल्ला दाऊद -

(ञ) रहीम का सम्पूर्ण नाम क्या है? अब्दुल रहीम खानखाना

2. अति संक्षेप में उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) विद्यापति ने कितनी भाषाओं में रचनाएँ की हैं? उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए।

(ख) रामभक्ति-शाखा में हिन्दी की दो बोलियों की रचनाएँ हैं। इस बारे में बताइए।

(ग) कबीर की रचनाओं के कितने रूप हैं? वे क्या-क्या हैं?

(घ) वल्लभ सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन हैं? उस सम्प्रदाय की भूमिका किस सगुण भक्ति-शाखा में है और कैसी है?

(ङ) आचार्य शुक्ल जी ने भक्ति-काल का समय कब से कब तक निर्धारित किया है? उनके अनुसार भक्तिकाल का नाम क्या है?

3. किन्हीं **चार** प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) आदिकालीन जैन साहित्य की किन्हीं दो प्रमुख कृतियों का परिचय दीजिए।

(ख) "उत्तर अपभ्रंश ही हिन्दी का प्रारम्भिक रूप है।" इस कथन का विवेचन कीजिए।

(ग) आदिकालीन रासो साहित्य के किसी एक चर्चित ग्रन्थ पर प्रकाश डालिए।

(घ) आदिकालीन चारण काव्य की विशेषताएँ रेखांकित कीजिए।

(ङ) कृष्णभक्तिधारा और रामभक्तिधारा के दो वैषम्यों की चर्चा कीजिए।

(च) कविवर जायसी का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(छ) आलवार सम्प्रदाय पर एक टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

(ज) भक्तिकालीन कवियों के पदों में भक्ति के साथ-साथ नीति भी है। इस तथ्य की पुष्टि सोदाहरण कीजिए।

4. आदिकालीन सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों का एक लेखा-जोखा प्रस्तुत कीजिए। 10

अथवा

आदिकाल का सम्यक् मूल्यांकन कीजिए।

5. आदिकालीन लौकिक साहित्य के बारे में विचार व्यक्त कीजिए। 10

अथवा

आदिकाल के लिए 'वीरगाथा-काल', 'वीर-काल' जैसे नामों की उपयुक्तता पर विचार कीजिए।

6. भक्ति-साहित्य के उद्भव और विकास के सम्बन्ध में आचार्य शुक्ल और हजारी प्रसाद द्विवेदी के मतों पर प्रकाश डालते हुए एक निष्कर्ष दीजिए। 10

अथवा

सन्त काव्यधारा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7. निर्गुणभक्ति-काव्यधारा और सगुणभक्ति-काव्यधारा के साम्यों एवं वैषम्यों को रेखांकित कीजिए। 10

अथवा

रामभक्तिकाव्य-परम्परा में गोस्वामी तुलसीदास का स्थान निर्धारित कीजिए।

★ ★ ★